सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 231 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 27 सितम्बर, 2024

मूल्य ₹ 3/-

अगर आप दुखी होना चाहते हैं, तो दुनिया में कोई भी आपको खुश नहीं कर सकता। लेकिन अगर आप खुश रहने का मन बना लें तो इस पृथ्वी पर कोई भी और कुछ भी आपसे वो खुशी नहीं छीन सकता।

-परमहंस योगानंद

दूसरे चरण में कम वोटिंग के लिए... 7 | नेताजी ने बना दिया 'प्रसाद' को... 3 | संविधान को मिटाने में लगी है... 2

खट्टर से किनारा भाजपा की मजबूरी या रणनीति !

खट्टर की वजह से जाटों ने बनाई भाजपा से दूरी

पिछले 9 साल तक सीएम रहे मनोहरलाल खट्टर चुनाव प्रचार से नदारद

» पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह की रैलियों में भी नहीं दिखे केंद्रीय मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विधानसभा चुनावों को लेकर हरियाणा में अब चुनाव प्रचार अपनी पूरी गर्मजोशी पर है। क्योंकि 5 अक्टूबर को होने वाले मतदान में अब ज्यादा वक्त बाकी नहीं रह गया है। सभी दल अपनी-अपनी ताकत झोंक रहे हैं। पिछले 10 सालों से सत्ता पर बैठी बीजेपी के लिए इस बार हरियाणा में राह थोड़ी मुश्किल नजर आ रही है। विपक्षी दल कांग्रेस यहां भाजपा पर हावी पड़ता दिख रहा है।

हालांकि, बीजेपी अपनी पूरी ताकत झोंक रही है, लेकिन ऐसे में एक सवाल ये भी उठ रहा है कि जो व्यक्ति पिछले 9 साल तक हरियाणा का मुख्यमंत्री रहा और जिसके नाम पर भाजपा ने हरियाणा में राज किया, उस व्यक्ति को इस चुनाव में बीजेपी ने बिल्कुल किनारे क्यों लगा दिया? यहां पर बात हो रही है हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल खट्टर की। पिछले 9 साल तक सीएम की गद्दी पर रहने वाले खट्टर इस चुनाव में काफी कटे-कटे दिख रहे हैं। वो न पीएम की सभाओं में दिख रहे हैं, न पोस्टरों में। ये सवाल तब और जोर पकड़ता है कि जब पीएम नरेंद्र मोदी हरियाणा में पिछले दिनों 2 बार आए लेकिन दोनों ही बार खट्टर को उनकी सभा में नहीं देखा गया। यही नहीं गृह मंत्री अमित शाह की सभाओं से भी वो नदारद रहे। जाहिर है कि सवाल तो उठेंगे। ये वही खट्टर हैं जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खास दोस्त हुआ करते थे। यही कारण था कि 2014 में जब हरियाणा में भारी बहुमत से बीजेपी की सरकार बनी तो सीएम के रूप में अचानक वो ध्रुवतारे की तरह उगे और फिर हरियाणा की राजनीति में छा गए। उनके कार्यकाल में उन पर भ्रष्टाचार के तो आरोप नहीं लगे पर कई बार उनके खिलाफ असंतोष गहराया और ऐसा लगा कि अब कुर्सी गई। पर हर बार वो किसी बाजीगर की तरह अपनी कुर्सी बचा लिया करते थे। फिर अचानक क्या हुआ कि उन्हें पीएम मोदी उनसे दूरी बनाने लगे हैं। क्या बीजेपी में उनके खराब दिनों की शुरूआत होने वाली है। या सिर्फ एक रणनीति के तहत पार्टी उनसे कुछ दिनों मसलन चुनावों तक के लिए दूरी बना रही है।

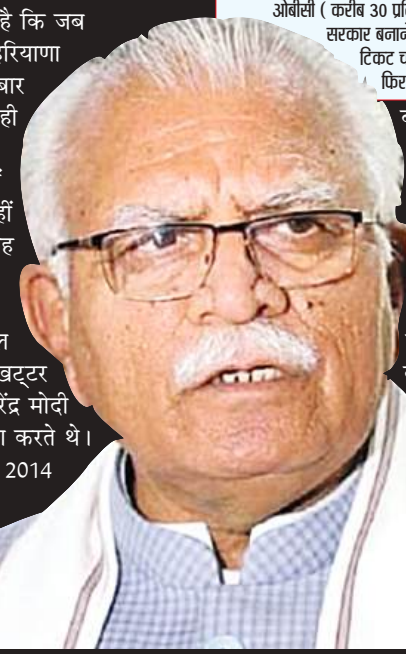

ओबीसी को लुभाने के लिए खट्टर से दूरी

केंद्र में मंत्री बनने के बाद भी हरियाणा में मनोहरलाल जिस तरह एक्टिव रहे, उससे ये मैसेज गया कि हरियाणा के सुपर सीएम तो खट्टर साहब ही हैं। ये बातें मुख्यमंत्री नायब सैनी के लिए ठीक नहीं थीं। दूसरे पार्टी ने जिन उद्देश्यों के चलते नायब सैनी को सीएम बनाया था वो भी पूरी नहीं हो रहीं थीं। पार्टी नायब सैनी को सीएम बनाकर चाहती थी कि ओबीसी वोटर्स को बीजेपी के पक्ष में ध्रुवीकृत किया जा सके। पार्टी की गणित ही यही है कि अगर ओबीसी (करीब 30 प्रतिशत), पंजाबी (करीब 8 से 9 प्रतिशत), ब्राह्मण (करीब 10 प्रतिशत) और बनिया वोट बीजेपी को मिल गए तो हरियाणा में लगातार तीसरी बार बीजेपी सरकार बनाने में सफल हो जाती। पर टिकट बंटवारे तक में नायब सैनी के बजाय खट्टर भारी पड़ गए। यहां तक कहा गया कि सीएम सैनी करनाल से विधानसभा टिकट चाहते थे पर खट्टर वहां से अपने खासम खास को टिकट दिलाने में सफल हो गए। इन सब कारणों से पिछड़े वोटर्स में ये संदेश जा रहा था कि अगर बीजेपी फिर से सरकार बनाती है तो कोई जरूरी नहीं है कि नायब सैनी फिर से सीएम बने। हो सकता है कि बीजेपी इसी कारण खट्टर से परहेज कर रही हो।

जाटों की नाराजगी भी एक वजह

हरियाणा में जाट बनाम पंजाबी के बीच प्रतिस्पर्धा रही है। बीजेपी ने जब से एक पंजाबी मनोहर लाल खट्टर को सीएम बना दिया जाटों में बीजेपी को लेकर नाराजगी बढ़ती गई। ये नाराजगी पार्टी से आगे निकलकर पंजाबी समुदाय तक पहुंच गई। हरियाणा में जाट आरक्षण आंदोलन के दौरान पंजाबियों के प्रति जो नफरत जाटों में दिखी वह पहले कभी नहीं थी। कम से कम प्रतिस्पर्धा कभी हिंसा में नहीं बदली थी। आरक्षण आंदोलन के दौरान जाटों का गुस्सा पंजाबियों के घर और दुकान, कारों आदि पर निकला। बड़े पैमाने पर आगजनी हुई। कई भाजपा नेताओं का भी कहना है कि हरियाणा के सोनीपत, झज्जर और चरखी दादरी जैसे जाट बहुल क्षेत्रों में पार्टी से नाराजगी का कारण खट्टर हैं।

पीएम मोदी परेशान हैं, ज्यादा नहीं बोलते : जयराम रमेश

» कांग्रेस नेता ने कहा- घबराई हुई है केंद्र की मोदी सरकार

» पीएम ने जातिगत जनगणना पर नहीं तोड़ी चुप्पी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश लगातार मोदी पर हमलावर रहते हैं। इसी बीच एक बार फिर से जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। भाजपा सांसद कंगना रनौत के बयान के बहाने रमेश ने कहा कि भाजपा ने चुनाव के दौरान 400 पार और संविधान बदलने की बात की।

हमारे गैर-जैविक पीएम चुप रहते हैं और दूसरों से बयान दिलवाते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी डरे हुए हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि तीन काले कानूनों को वापस लाने की मांग बीजेपी की ओर से हर दिन आती है। आगे कहा कि पीएम और स्वघोषित चाणक्य ने जाति जनगणना पर अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी है।

केंद्र का भविष्य नायडू और नीतीश पर निर्भर

हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की तैयारियों व बदलाव पर जयराम रमेश ने कहा कि पीएम का चेहरा देखिए, वह परेशान है। वह ज्यादा नहीं बोलते। वह दुनिया के देशों का दौरा करते हैं लेकिन मणिपुर नहीं पहुंचे हैं। वह किसानों, आरक्षण या जाति-आधारित जनगणना के बारे में बात नहीं करते हैं। चलो देखते हैं क्या होता है। उन्होंने कहा कि बहुत कुछ चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार पर निर्भर करता है। एक बात तो पक्की है कि इंडिया अलायंस संसद में मजबूत है और हमारे विपक्ष के नेता लोकसभा और राज्यसभा में आक्रामक तरीके से मुद्दे उठा रहे हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकार घबराई हुई है।

आप ने किया एमसीडी स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य के चुनाव से बहिष्कार

» सिसोदिया बोले- ये चुनाव पूरी तरह से गलत

» भाजपा कर रही लोकतंत्र को शर्मसार

» एलजी, एमसीडी या एडिशनल कमिश्नर को चुनाव कराने का अधिकार नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में एक बार फिर सरकार और उपराज्यपाल आमने-सामने आ गए हैं। इस बार मामला एमसीडी स्टैंडिंग कमेटी के एकमात्र सदस्य के चुनाव से जुड़ा है। जिसको लेकर आप ने मोदी सरकार पर लोकतंत्र की हत्या करने का आरोप लगाया है।

एमसीडी की स्थायी समिति के सदस्य के चुनाव को लेकर उपराज्यपाल ने मेयर शैली ओबेराय का फैसला पलट दिया। जिसमें शैली ओबेराय ने ये चुनाव 5 अक्टूबर को कराने को कहा था, जबकि उपराज्यपाल ने गुरुवार रात को ही आदेश जारी करके चुनाव को आज ही कराने का आदेश दे दिया। इसी पर अब सियासत गरमा गई है। मनीष सिसोदिया ने एमसीडी स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य के चुनाव को लेकर कहा कि स्टैंडिंग कमेटी के एक मात्र सदस्य का चुनाव पूरी तरह से गलत है।

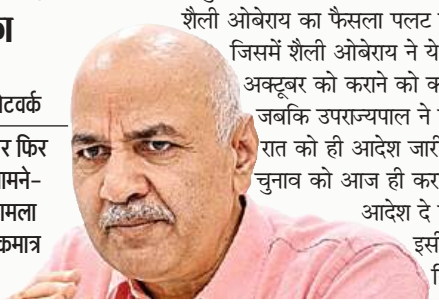

सिसोदिया ने बताया षड्यंत्र

मनीष सिसोदिया के अनुसार दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना ने एमसीडी कमिश्नर को आदेश दिए कि रात तक चुनाव करा दिए जाएं। मैं, पूछता हूं- ये क्या षड्यंत्र है? आखिर एडिशनल कमिश्नर की अध्यक्षता में चुनाव कैसे हो सकता है? सिसोदिया ने कहा कि चुने हुए लोगों से बने हाउस की अध्यक्षता भला कोई अधिकारी कैसे कर सकता है? चंडीगढ़ में कोई मसीह थे, जिन्होंने नियमों की धज्जियां उड़ाई थीं। उसी तरह एमसीडी कमिश्नर कह रहे हैं कि मैं एलजी के कहने पर ऐसा कर रहा हूं।

आप इसे इनवैलिड करार देती है

सिसोदिया ने आगे कहा कि अगर यही हाल रहा तो कल को बीजेपी चाहेगी तो किसी विधानसभा या लोकसभा की मीटिंग एडिशनल सेक्रेटरी की अध्यक्षता में कराई जा सकती है। बीजेपी ने भारत के लोकतंत्र को शर्मसार किया है। आज मॉडर्न मसीह हैं कमिश्नर साहब। उन्होंने कहा कि एमसीडी स्टैंडिंग कमेटी सदस्य का चुनाव कराने का एलजी या एमसीडी या कमिश्नर को पॉवर कहीं नहीं है। आम आदमी पार्टी इस चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। आम आदमी पार्टी इसे इनवैलिड करार दे रही है।

संविधान को मिटाने में लगी है भाजपा : राहुल गांधी

बोले- संविधान को बचाने की है लड़ाई, बीजेपी कर रही हमला, हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने का किया दावा, कहा- जातिगत जनगणना होनी ही चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

करनाल। विधानसभा चुनावों को लेकर हरियाणा में सियासी तापमान बढ़ा हुआ है। चुनाव प्रचार जोरों पर है। इस बीच हरियाणा के करनाल के असंध में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हरियाणा से बेरोजगार युवाओं के विदेश जाने के मुद्दे के जरिये हरियाणा सरकार पर निशाना साधा। वहीं केंद्र सरकार को भी निशाने पर लिया।

राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा कहती नहीं, लेकिन वह संविधान को मिटाने में लगी है। उन्होंने एथलेटिक्स को खत्म करने का आरोप लगाते हुए खिलाड़ियों के

भाजपा ने सरकारी संस्थाओं को आरएसएस के हवाले कर दिया

चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि लड़ाई आज संविधान बचाने की है, भाजपा सीधे-सीधे गरीबों व पिछड़ों की रक्षा करने वाले संविधान पर हमला कर रही है। उन्होंने कहा कि वह झूठ नहीं बोलेंगे, ये मोदी जी का काम है। भाजपा सरकार ने सारी संस्थाओं को आरएसएस के हवाले कर दिया है, जो नागपुर से चलता है। इन संस्थाओं में भारत के 90 प्रतिशत लोगों के लिए जगह नहीं है। इनमें न तो कोई दलित, ओबीसी है और न ही आदिवासी है। राहुल ने कहा कि भाजपा चुनाव आयोग, ब्यूरोक्रेसी, मीडिया और इंटेलिजेंस सर्विसेज में अपने लोगों को भर्ती कर देश को खोखला कर रही है। उन्होंने हरियाणा के सबसे बड़े मुद्दे बेरोजगारी, पलायन, किसान, जवान, पहलवान, अग्निवीर और छोटे व्यापारियों के मुद्दों को उठाया। राहुल ने कहा कि जातिगत जनगणना होनी चाहिए, पता चले कि किसकी कितनी आबादी है, इससे पूरी सच्चाई सामने आ जाएगी, क्योंकि 90 प्रतिशत लोगों के पास कुछ नहीं है।

उत्पीड़न का मुद्दा उठाकर केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा किया तो चुनाव आयोग, ब्यूरोक्रेसी और मीडिया को भी नहीं बख्शा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री झूठ बोलते हैं, उन्होंने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया लेकिन वह काले कानून ले आए।

मोदी को केवल उद्योगपति ही दिखाई देते हैं

कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि मोदी को केवल बड़े उद्योगपति ही दिखाई देते हैं। देश की बड़ी 250 कंपनियों की मैनेजमेंट और मालिकों में से कोई भी दलित नहीं है। देश की सरकार चलाने वाले 90 सचिवों में से केवल तीन दलित और तीन ओबीसी हैं। इसलिए सबसे बड़ी आबादी को बजट में भी मामूली हिस्सा मिलता है। ये सब जातिगत जनगणना में सामने आएगा लेकिन भाजपा जातिगत जनगणना नहीं कराना चाहती, वह 90 फीसदी आबादी को अधिकार देने के हक में नहीं है। राहुल गांधी ने अपनी अमेरिका यात्रा के बारे में बताते हुए बेरोजगार डंकी आदि के जरिये विदेश जाने में आने वाली बाधाओं, कष्ट, उनके व परिवारों के दर्द को भी परिभाषित किया।

जम्मू-कश्मीर व हिमाचल में सेब का पूरा कारोबार अदानी को दे दिया गया और वहां के बागवान आज घाटे में हैं। हरियाणा में भी किसानों को फसलों का सही भाव नहीं मिल रहा और वे कर्जदार हो रहे हैं। भाजपा सरकार हरियाणा के किसानों का कर्जा माफ नहीं करेगी लेकिन 25 अरबपतियों का 16 लाख करोड़ रुपए माफ कर दिया गया है।

कांग्रेस की सात गारंटियों का भी किया जिक्र

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हम हरियाणा को ऐसी सरकार देंगे, जिसमें बेरोजगारों, खिलाड़ियों, किसानों के आंसू नहीं बहेंगे। उन्होंने कांग्रेस की सात गारंटियों का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर महिलाओं को दो हजार रुपये महीना सम्मान राशि, 500 रुपये में रसोई गैस सिलिंडर, गरीबों को 100-100 गज के प्लॉट व दो कमरों का मकान, दो लाख पक्की भर्ती, 6000 बुढ़ापा पेंशन, कर्मचारियों को ओपीएस, एमएसपी की कानूनी गारंटी व तत्काल मुआवजा देगी। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में कांग्रेस पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी।

कांग्रेस पर वामपंथियों का है कब्जा : कृष्णम

» बोले- पहले दूसरी कांग्रेस थी, अब यह कांग्रेस सनातन विरोधी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार की स्ट्रीट वैंडर पॉलिसी को लेकर बवाल मचा हुआ है। स्ट्रीट वेंडर्स की आईडी को लेकर विक्रमादित्य सिंह के बयान के बाद सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार ने इस संबंध में अभी कोई फैसला नहीं लिया है। इसी बीच पूर्व कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन वह कांग्रेस अलग थी। वह महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल और पंडित जवाहरलाल नेहरू की कांग्रेस थी। लेकिन यह कांग्रेस सनातन विरोधियों और देश विरोधियों की है। पार्टी के ऊपर वामपंथियों ने कब्जा कर लिया है।

स्ट्रीट वेंडर्स की आईडी को लेकर हिमाचल प्रदेश सरकार ने कहा कि कि ऐसा कोई निर्देश लागू करने की उसकी योजना नहीं है। हालांकि सरकार के यू-टर्न से इस पर शुरू हुई बयानबाजी पर तत्काल लगाम लगती नहीं दिख रही।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी के आस-पास जो लोग हैं वे पार्टी को भ्रमित कर रहे हैं जिसके कारण कांग्रेस पार्टी की दुर्दशा हो रही है। कांग्रेस पार्टी में अगर कोई सच बोलता है तो उसका विरोध होता है और उसको पार्टी से बाहर कर दिया जाता है।

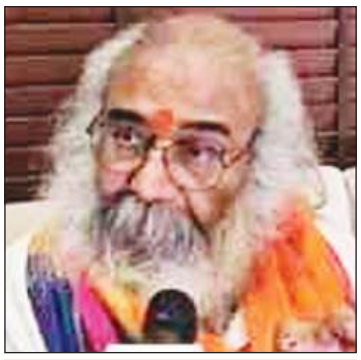

कांग्रेस पर साधा निशाना

प्रमोद कृष्णम ने कहा कि पार्टी पर वामपंथियों और नास्तिक लोगों का कब्जा हो गया है। दरअसल, उत्तर प्रदेश की तर्ज पर हिमाचल की कांग्रेस सरकार ने भी दुकानों के बाहर नेम प्लेट लगाने के निर्देश दिए हैं। इसको लेकर छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह ने कहा था कि हिमाचल सरकार के इस फैसले से वह सहमत नहीं हैं।

सपा-कांग्रेस चला रहे नकारात्मक एजेंडा : चौधरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के युवा सम्मेलन में यूपी बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा।

कुन्दरकी पहुंचे यूपी बीजेपी चीफ भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा सपा-कांग्रेस के नेता जनता के बीच नकारात्मक एजेंडा चला रहे हैं। ये चुनाव आयोग और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करते हैं। राहुल गांधी विदेश में बैठकर देश का विरोध करते हैं यह निंदनीय है। राहुल गांधी देश को कमजोर करते हैं और विदेशी ताकतों के एजेंडे का भाग हैं। वहीं बीजेपी नेता ने कहा की आप देख रहे होंगे सपा और कांग्रेस चुनावों को लेकर जिस प्रकार हमारी संवैधानिक संस्थाओं को चुनाव आयोग को सरकारी मशीनरी को लांछित करने का काम करती रही है, तो ये एक एजेंडा है उनका जनता के बीच में उनकी कोई उपस्थिति नहीं है वो केवल एक नेगेटिव प्रचार करके नेगेटिव एजेंडा सेट करके जनता को गुमराह करना चाहते हैं।

सुनील जाखड़ छोड़ेंगे पंजाब भाजपा अध्यक्ष का पद!

» पार्टी से चल रहे नाराज सदस्यता अभियान मीटिंग में भी नहीं हुए शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब बीजेपी अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने अध्यक्ष पद से हटने की इच्छा जताई है। सदस्यता अभियान की मीटिंग में भी वो शामिल नहीं हुए। जाखड़ पंजाब को लेकर बीजेपी हाईकमान की रणनीति से खुश नहीं हैं। उन्होंने एक हफ्ते पहले पीएम मोदी से मिल कर नाखुशी जाहिर की थी। लेकिन, अभी तक लिखित में इस्तीफा नहीं दिया है।

बता दें कि पंजाब में 2 दिन पहले ही पंचायत चुनाव का ऐलान हुआ है। 15 अक्टूबर को पंचायत चुनाव के लिए मतदान होगा। 27 से 4 अक्टूबर तक सरपंच व पंच पद के लिए नॉमिनेशन दाखिल किए जाएंगे, उससे पहले सुनील जाखड़ का बीजेपी अध्यक्ष पद छोड़ना पार्टी के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है।

बिट्टू को केंद्रीय मंत्री बनाए जाने से हैं नाराज!

बताया यह भी जा रहा है कि रवनीत सिंह बिट्टू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाए जाने से भी सुनील जाखड़ अपनी पार्टी से नाराज हैं। क्योंकि बीजेपी ने बिट्टू के लोकसभा चुनाव हारने के बाद भी उन्हें राजस्थान से राज्यसभा भेजा। करीब 4 महीने पहले हुए लोकसभा चुनावों में पंजाब में बीजेपी एक भी लोकसभा सीट नहीं जीत पाई। हालांकि, सुनील जाखड़ के आने के बाद पंजाब में बीजेपी का वोट प्रतिशत जरूर बढ़ा है। बीजेपी, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बाद तीसरी नंबर पर रही थी। उसे पंजाब में करीब 18 प्रतिशत वोट मिले थे।

वापस नहीं होगी केजरीवाल की जेड प्लस सुरक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जेड प्लस सुरक्षा वापस नहीं होगी। वहीं, मुख्यमंत्री आतिशी को फिलहाल एक कमांडो, कुछ पुलिसकर्मी और एस्कार्ट कार दी गई है। उनकी सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखा है।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि केजरीवाल की जान को खतरा है। उन्हें कई बार धमकी मिल चुकी है। मई में मुख्यमंत्री को मारने की धमकी देते हुए पोस्टर मेट्रो में लगा दिए गए थे। आम आदमी पार्टी ने उस समय प्रेसवार्ता कर धमकी मिलने का दावा करते हुए पोस्टर दिखाए थे। इससे पहले जनवरी में 100 नंबर पर केजरीवाल को जान से मारने की धमकी मिली थी। हालांकि, पुलिस ने आरोपी को अगले दिन ही पकड़ लिया था। केजरीवाल की जान के खतरे को लेकर इनपुट मिलते रहते हैं। ऐसे में केजरीवाल की जेड प्लस सुरक्षा को न तो कम किया जाएगा और न ही हटाया जाएगा।

नेताजी ने बना दिया 'प्रसाद' को सियासत का सामान

पवन कल्यान के बाद जगन भी करेंगे क्षमा याचना

तिरुपति बालाजी के लड्डू में मिलावट पर बवाल जारी

» नायडू के आरोपों को जगन ने नकारा

» माफी को लेकर भी टीडीपी व सीपीआई ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के तिरुपति के भगवान बालाजी के प्रसाद लड्डू को लेकर सियासत चरम पर है। पहले जहां सरकार में शामिल प्रजा पार्टी के अध्यक्ष व डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने शुद्धिकरण यज्ञ में शामिल होके क्षमा मांगी वहीं अब पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी भी पूजा अर्चना करके माफी मांगेंगे। क्षमा मांगने की इन खबरों के बीच राज्य में विपक्षी नेताओं ने जगन के साथ नायडू सरकार पर हमला बोला है। सभी कह रहे हैं राजनीति के लिए केवल मामले को तूल दिया जा रहा है।

दरअसल , लड्डू विवाद के बीच, युवाजन श्रमिक रायथु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी 28 सितंबर को राज्य के मंदिरों में पूजा-अर्चना में भाग लेंगे। पूर्व सीएम रेड्डी का यह एलान उन पर ही भारी पड़ता नजर आ रहा है। अन्य राजनीतिक दल के नेता उन पर निशाना साध रहे हैं। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) और भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने हमला बोला। पार्टियों ने कहा कि पूर्व सीएम यह दिखाना चाहते हैं कि उन्होंने कोई पाप नहीं किया, जबकि अब सच सबके सामने है। आंध्र प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध मंदिर तिरुपति बालाजी के लड्डुओं के घी में कथित तौर पर मछली के तेल और जानवरों की चर्बी मिले के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। राज्य के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने प्रसादम के लड्डुओं में मिलावट का दावा किया था। जिसके बाद पूरे देश श्रद्धालु प्रसादम को लेकर चिंता व्यक्त करने लगे थे। केंद्र सरकार ही नहीं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी इसे लेकर चिंता जाहिर की थी।

मंदिर समिति ने भी मानी मिलावट की बात

इस पूरे मामले पर मंदिर समिति तिरुमला तिरुपति देवस्थानम की ओर से भी बयान जारी किया गया। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम मंदिर के एक्जीक्यूटिव ऑफिसर श्यामला राव ने भी स्वीकार किया कि मंदिर की पवित्रता भंग हुई है। पिछली सरकार ने मिलावट की जांच के लिए कोई कदम नहीं उठाए थे। राव ने कहा था कि, जब मैंने टीटीडी की कार्यकारी अधिकारी का पदभार संभाला था, तो मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने खरीदे गए घी और लड्डू की गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त की थी। राव ने कहा था, वह चाहते थे कि मैं यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाऊं। हमने इस पर मामले पर काम करना शुरू किया है। तब हमने पाया कि हमारे पास घी में मिलावट की जांच करने के लिए कोई आंतरिक प्रयोगशाला नहीं है। बाहरी प्रयोगशालाओं में भी घी की गुणवत्ता की जांच करने की कोई व्यवस्था नहीं है। इसके अलावा भगवान को चढ़ने प्रयोग किए जा रहे शुद्ध घी कीमत 320 रुपये रखी गई थी। जो संदेह पैदा कर रही थीं। शुद्ध घी की कीमत कम से कम 500 रुपये प्रति किलो होने चाहिए थी।

सनातन धर्म पर हमलों पर चुप नहीं बैठेंगे : पवन कल्याण

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने तिरुमाला के लड्डू प्रसादम में कथित मिलावट को लेकर अपनी 11 दिवसीय प्रायश्चित्त दीक्षा के हिस्से के रूप में कनक दुर्गा मंदिर में शुद्धिकरण अनुष्ठान किया। उन्होंने कहा कि अप्रायश्चित्त दीक्षा का तीसरा दिन है। मैं बचपन से ही सनातन धर्म का पालन करता आया हूं। मैं श्री राम का भक्त हूं और हिंदू होने पर गर्व है। उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी शासन के दौरान कनक दुर्गा मंदिर से तीन शेर (इंद्रकीलाद्री के ऊपर देवी कनक दुर्गा के रथ से जुड़े) लूट लिए गए थे। जब हमने उनसे सवाल किया तो हमें चुप्पी मिली। पवन कल्याण ने कहा कि मुझे नहीं पता कि वाईवी सुब्बा रेड्डी और करुणाकर रेड्डी ने ईसाई

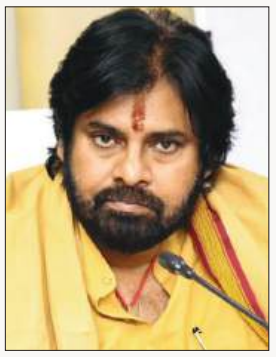

धर्म अपना लिया है या नहीं। आपके शासन में, एक बोर्ड (टीटीडी) की स्थापना की गई थी, और आप इस प्रदूषण के लिए जिम्मेदार और जवाबदेह हैं। रिपोर्ट मिलने के बाद ही हम ये सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं पोन्नावोलु सुधाकर की टिप्पणियों की निंदा करता हूं। वह बहुत घमंडी है। मैं अदालती मामले के लिए तैयार हूं क्योंकि आप एजीपी हैं। हिंदू धर्म की आलोचना न करें, अन्यथा हम आपको जवाबदेह ठहराएंगे। डिप्टी सीएम ने कहा कि आपकी हिम्मत कैसे हुई सुअर के मांस की कीमत की तुलना शुद्ध घी से करने की? वाईवी सुब्बा रेड्डी, जांच की तैयारी करें। ईओ धर्मा रेड्डी फरार हैं।

आंध्र के मुख्यमंत्री ने उठाया मुद्दा

आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने दो दिन पहले लैब रिपोर्ट के हवाले से दावा किया था कि, मंदिर के प्रसादम में प्रयोग होने वाले शुद्ध घी में जानवरों की चर्बी मिली हुई है। भगवान तिरुपति के प्रसादम बनाने में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। लड्डुओं में घी के बजाय जानवरों की चर्बी का उपयोग किया गया। ये मिलावट पिछली सरकार के दौरान दिए गए घी के ठेके के

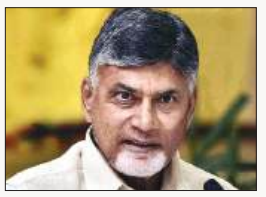

चलते हुई है। सीएम ने कहा था कि इस भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इस मामले में सरकार की ओर से कई लोगों के खिलाफ एक्शन भी लिया जा चुका है।

राजनीतिक दल के आय का स्रोत भ्रष्टाचार : संतोष

तिरुपति प्रसाद विवाद पर भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) सांसद पी संतोष कुमार ने कहा, जहां तक इस विवाद का सवाल है, सभी राजनीतिक दल चाहे वह वाईएसआर कांग्रेस ही क्यों न हो, इनका आय का मुख्य स्रोत भ्रष्टाचार है। चाहे वह भगवान के नाम पर हो या सड़क के नाम पर। इससे वाईएसआर कांग्रेस और टीडीपी के बीच कोई फर्क नहीं रह जाता।

कंपनी पर केंद्र सरकार भी सख्त

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर को घी सप्लाई करने वाली कंपनियों में से एक एआर डेयरी फूड प्राइवेट लिमिटेड को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मंत्रालय को चार कंपनियों से नमूने मिले थे और गुणवत्ता परीक्षण करने पर पता चला कि एक कंपनी का नमूना परीक्षण में फेल हो गया, जिससे मिलावट का पता चला। नोटिस भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण सरकार की नियामक संस्था द्वारा तमिलनाडु स्थित एक फर्म को तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम को घटिया घी की आपूर्ति करने के आरोप में भेजा गया। नोटिस में खाद्य नियामक ने ए आर डेरी फूड प्राइवेट लिमिटेड से पूछा कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक विनियमन 2011 के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए उसका केंद्रीय लाइसेंस निलंबित क्यों न कर दिया जाए। नोटिस के अनुसार एफएसएसएआई ने कहा कि उसे मंगलागिरी (आंध्र प्रदेश) स्थित प्रिवेंटिव मेडिसिन संस्थान के निदेशक से जानकारी मिली है कि डिंडीगुल स्थित ए आर डेरी फूड प्राइवेट लिमिटेड पिछले चार वर्षों से तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को घी की आपूर्ति कर रही है।

एनडीडीबी लैब की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

एनडीडीबी लैब की रिपोर्ट से पता चला कि शुद्ध घी में शुद्ध दूध में वसा की मात्रा 95.68 से लेकर 104.32 तक होना चाहिए था। लेकिन सैंपल्स में मिल्क फैट की वेल्यू 20 ही पाई गई थी। जिससे इस मिलावटी घी के बारे में खुलासा हुआ। जिसके बाद बड़ा विवाद उठ खड़ा हुआ। लैब की रिपोर्ट के मुताबिक इन सैंपल में सोयाबीन, सूरजमुखी, जैतून का तेल, गेंहू, मक्का, कॉटन सीड, मछली का तेल, नारियल, पाम ऑयल, बीफ टैलो, लार्ड जैसे तत्व पाए गए हैं। इस घी को चेन्नई की एआर डेयरी एंड एग्रो प्रोडक्ट्स नाम की कंपनी ने सप्लाई किया था। आंध्र में जून में सत्ता परिवर्तन हुआ था। जिसके बाद चंद्रबाबू नायडू की पार्टी सत्ता में वापस आई है। मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद चंद्रबाबू नायडू ने मंदिर के लड्डुओं में मिलावट की आशंका जाहिर की थी। जिसके बाद मंदिर प्रशासन ने सप्लाई किए गए घी के सैंपल लेकर जांच के लिए गुजरात स्थित डेयरी विकास बोर्ड की लैब सेंटर ऑफ एनालिसिस एंड लर्निंग इन लाइव स्टॉक एंड फूड भेजे थे। जिसके बाद लैब की रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे हुए। कंपनी को सरकार की ओर से बैन कर दिया गया है। हालांकि कंपनी ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि, जून-जुलाई में जो घी हमने भेजा था। उसका सैम्पल टेस्ट एफएसएसएआई और एगमार्क ने कलेक्ट किया था। टीटीडी की लैब में भी हमारा सैंपल पास हुआ था। मेरे घी में किसी भी तरह की कोई मिलावट नहीं है।

जगन ने पाप किया है वो माफ करने लायक नहीं : प्रेमकुमार

टीडीपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम कुमार जैन ने कहा, जानकारी के अनुसार पूर्व सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी 28 सितंबर को तिरुमाला मंदिर आएंगे, जहां वह क्षमा अनुष्ठान का आयोजन करेंगे। हालांकि, प्रसाद में जानवरों की चर्बी और मछली के तेल का उपयोग करने और भक्तों की भावनाओं को आहत करने का अपराध उन्होंने किया है वो माफ करने लायक नहीं है। चाहें वे अनुष्ठान कर लें, माफी मांग ले मगर उन्हें कभी माफ नहीं किया जा सकता। क्या वह एसआईसी फॉर्म भरेंगे और फिर तिरुमाला मंदिर में अपनी भक्ति व्यक्त करेंगे? वह यह सब दिखावा कर रहे हैं। वह जनता को दिखाना चाहते हैं कि उन्होंने कोई पाप नहीं किया है। मगर अब सब सामने आ गया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

संसाधनों व आबादी के बीच अनुपात जरूरी

बेतहाशा बढ़ती हुई जनसंख्या आज दुनिया की सबसे बड़ी परेशानियों में से एक बन चुकी है। भारत भी उससे अछूता नहीं है। हालांकि भारत की जनगणना 2011 के बाद नहीं हुई है। पर ऐसा अनुमान है कि 24 में यह एक अरब चालीस करोड़ के पार पहुंच गई है। इस आंकड़े के अनुसार हम चीन को पीछे छोड़कर आबादी के मामले में सबसे बड़े देश बन गए हैं। जाहिर सी बात है कि आबादी तो बढ़ी है पर संसाधन उतने ही या घट गए हैं। ऐसे में जनसंख्या वृद्धि के कारण दुनिया के कई देशों में संसाधनों का बंटवारा ठीक तरह से नहीं हो पाता है। यदि संसाधनों का वितरण आबादी के अनुपात में हुआ होता अथवा कहा जाए कि जनसंख्या में वृद्धि संसाधनों के अनुकूल हुआ होता तो युद्धग्रस्त गाजा पट्टी और सूडान में बिगड़े खाद्य सुरक्षा के हालातों के कारण करोड़ों लोगों को खाद्य सामग्री का अभाव नहीं झेलना पड़ता। वहीं, कई देशों में वहां की बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में उपलब्ध संसाधन अब कम पड़ने लगे हैं।

जाहिर है कि यदि किसी भी देश की जनसंख्या लगातार तीव्र गति से बढ़ेगी तो उसी अनुपात में वहां उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव भी बढ़ेगा। इसे भारत के संदर्भ में देखा जाए तो 13 सितंबर 2024 को भारत की जनसंख्या लगभग 1,453,567,738 थी, जो विश्व की कुल जनसंख्या (लगभग 8,176,283,486) का करीब 18 प्रतिशत है। गौरतलब है कि विश्व के महज ढ़ाई प्रतिशत भू-भाग पर दुनिया की कुल जनसंख्या का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा जीवन यापन करने के लिए विवश है। जरा सोचिए कि ऐसे में क्या देश में मौजूद प्राकृतिक संसाधनों पर अनावश्यक दबाव नहीं पड़ेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो इसी वर्ष अप्रैल के अंत में जारी संयुक्त राष्ट्र की ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस के अनुसार आज दुनिया भर के कुल 59 देशों के लगभग 28.2 करोड़ लोग भूख से तड़पने के लिए मजबूर हैं। रपट के अनुसार युद्धग्रस्त गाजा पट्टी और सूडान में बिगड़े खाद्य सुरक्षा के हालातों के कारण 2022 में 2.4 करोड़ से भी अधिक लोगों को खाद्य सामग्री के अभाव में भूखे रहना पड़ा था। गौरतलब है कि यूक्रेन और सूडान से कई देशों को गेहूं समेत अन्य खाद्य सामग्रियों की आपूर्ति की जाती है, तब उन आयातक देशों के निवासियों का पेट भरता है। देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र की रपट इस बात की ओर भी साफ संकेत करती है कि जैसे-जैसे विश्व भर में जनसंख्या बढ़ती गई वैसे-वैसे ही भूखे लोगों की संख्या में भी लगातार वृद्धि होती गई। ये आंकड़े सिर्फ पढ़कर छोड़ने वाले नहीं है सभी देशों को बैठकर एक ऐसी रणनीति बनानी होगी संसाधनों का वितरण ठीक से हो और आबादी को भी नियंत्रित किया जाए। विश्व में उपलब्ध खाद्यान्न का ऐसे सदुपयोग हो कि कोई भी भूखा न रहे।

“ ऐसे में जनसंख्या वृद्धि के कारण दुनिया के कई देशों में संसाधनों का बंटवारा ठीक तरह से नहीं हो पाता है। यदि संसाधनों का वितरण आबादी के अनुपात में हुआ होता अथवा कहा जाए कि जनसंख्या में वृद्धि संसाधनों के अनुकूल हुआ होता तो युद्धग्रस्त गाजा पट्टी और सूडान में बिगड़े खाद्य सुरक्षा के हालातों के कारण करोड़ों लोगों को खाद्य सामग्री का अभाव नहीं झेलना पड़ता।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मोदी के तीसरे कार्यकाल में भू-राजनीतिक चुनौतियां

जी. पार्थसारथी

जहां कुछ लोग स्वाभाविक रूप से भारत की आर्थिक नीतियों के आलोचक बने रहेंगे, वहीं अब यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्य है कि आर्थिक उदारीकरण के उद्भव और कभी 'लाइसेंस, परमिट, कोटा राज' के रूप में पहचान रखने वाले तंत्र के खात्मे के बाद भारत की विकास दर में तेजी से वृद्धि हुई है। दुनिया भी यह मानती है कि इस बदलाव के मुख्य वास्तुकार डॉ. मनमोहन सिंह थे, जिनके योगदान को देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद और अधिक मान्यता मिली। यह भी उल्लेखनीय है कि मुक्त अर्थव्यवस्था के लिए उठाए उनके कदमों ने नई मंजिलें तय की हैं। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत को मान्यता प्राप्त है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का अनुमान है कि मौजूदा साल में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहेगी।

बहरहाल, यह बात जहन में ध्यान में रखनी चाहिए कि दुनिया में इसकी हैसियत और प्रभाव काफी हद तक आर्थिक और तकनीकी क्षेत्र की प्रगति से निर्धारित होगा। इन अनिवार्यताओं के परिप्रेक्ष्य में, भारत के लिए अपने निकटतम पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। इससे लाल सागर और फारस की खाड़ी से लेकर पश्चिम में मलक्का जलडमरूमध्य तक फैले क्षेत्र में सुरक्षा और शांति सुनिश्चित होगी। अब यह व्यापक रूप से सर्वविदित है कि भारत को अपनी सीमाओं से परे जिन मुख्य चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे चीन की विस्तारवादी महत्वाकांक्षाएं और नीतियों से पैदा हुई हैं। भारत की लंबे समय से कोशिश रही है कि ईरान और अरब राज्यों सहित उस तेल संपन्न (फारस) खाड़ी क्षेत्र के साथ संबंध घनिष्ठ बने रहें, जहां पर लगभग 60 लाख भारतीय कामगार रोजी-रोटी कमा रहे हैं। एक तरफ भारत ने सऊदी अरब के साथ संबंध प्रगाढ़ किए हैं तो वहीं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ अपने पहले से मजबूत संबंधों को और सुदृढ़ किया है।

राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा सऊदी अरब राजघराने को लेकर की गई असंयमित टिप्पणियों के बाद दोनों मुल्कों के बीच आई खटास को फिर से कामकाजी सौहार्द्र का रूप देने में भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख तहनून बिन जायद अल नाहयान ने भी अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

जैक सुलिवन और सउदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के बीच वार्ता में भाग लिया। कहा जाता है कि इस बैठक के सूत्रधार भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल रहे। संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और भारत के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौते को अंतिम रूप देने के बाद जल्द ही इस पर मुहर लग गई। अब भारत के पास समूचे हिंद महासागरीय तटों पर, छह पड़ोसी अरब खाड़ी मुल्कों के साथ मिलकर, एक सकारात्मक और सहयोगात्मक भूमिका निभाने का मंच तैयार है। भारत-अमेरिका संबंधों में तब काफी मजबूती आई जब अमेरिका ने फैसला किया कि हिंद महासागर में चीनी ताकत में हो रही वृद्धि को संतुलित करने में भारत उपयोगी हो सकता है और यह करने की हैसियत भी रखता है। दोस्ती के दिखावे के बावजूद, चीन की नीतियां भारतीय प्रभाव को सीमित करने और नियंत्रित करने से बंधी हुई हैं। चीन पाकिस्तान को मिसाइलें और परमाणु हथियार देकर उसकी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने का काम जारी रखे हुए है। अफगानिस्तान की तरफ लगती भारत की पश्चिमी सीमाओं पर वह पाकिस्तान के साथ घनिष्ठ सहयोग बनाते हुए काम कर रहा है। ईरान के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत के हालिया कदम, जिसमें सामरिक महत्व के चाबहार बंदरगाह का विकास कार्य भी शामिल है, यह मध्य एशिया तक भारत की आर्थिक एवं समुद्री पहुंच बनाने में मददगार तो होगा ही बल्कि इससे अफगानिस्तान तक भारत के पहुंच मार्गों में अड़चन डालने के पाकिस्तानी प्रयास भी बेकार जाएंगे। एक समय ईरान के साथ भारत के बढ़ते संबंधों पर अमेरिका ने आपत्ति जताई थी।

महत्वपूर्ण यह भी कि इसके पूरा होने पर रावलपिंडी में बैठे पाकिस्तानी सेना के कर्ता-धर्ताओं की अफगानिस्तान, ईरान और मध्य एशिया तक भारत के पहुंच मार्ग में बाधा डालने की गुंजाइश जाती रहेगी। भारत के लिए यह बंदरगाह अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) का एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार बन जाएगा, जो आगे भारत को समुद्री, रेल और सड़क मार्ग से मध्य एशिया, रूस और अंततः यूरोप से जोड़ेगा। भारत-अमेरिका संबंधों पर साया डालने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है अमेरिकी मीडिया द्वारा भारत में लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के तथाकथित उल्लंघन की निरंतर आलोचना, जाहिर है इसके पीछे अमेरिकी प्रशासन की शह है।

पाक सत्ता के गलियारों में तंग नजरिया

विवेक शुक्ला

> क्या आप यकीन करेंगे कि पाकिस्तान की पंजाब असेंबली में बहस उर्दू या इंग्लिश में ही हो सकती है? पंजाबी में बहस करना या सवाल करना निषेध है। मतलब मातृभाषा को असेंबली में बोलने की मनाही है। आप अपनी मातृभाषा में शपथ भी नहीं ले सकते। ये मुमकिन है अपने घर में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री भले ही पंजाबी में बोलते हों या पंजाबी लोकगीत सुनना भी पसंद करते हों लेकिन, वे पंजाब असेंबली में उर्दू से इतर किसी भाषा में नहीं बोलते।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पिछले सोमवार को अपनी कैबिनेट में पांच नए मंत्री शामिल किए। नए मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ पंजाबी में ली। उधर, सरहद के उस पार के पंजाब में पिछली 24 फरवरी को मरियम नवाज ने पंजाब के मुख्यमंत्री की शपथ उर्दू में ली। दरअसल, पाकिस्तान के हिस्से वाला पंजाब धरती की जुबान पंजाबी से लगातार दूर हो रहा है। क्या आप यकीन करेंगे कि पाकिस्तान की पंजाब असेंबली में बहस उर्दू या इंग्लिश में ही हो सकती है? पंजाबी में बहस करना या सवाल करना निषेध है। मतलब मातृभाषा को असेंबली में बोलने की मनाही है। आप अपनी मातृभाषा में शपथ भी नहीं ले सकते। ये मुमकिन है अपने घर में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री भले ही पंजाबी में बोलते हों या पंजाबी लोकगीत सुनना भी पसंद करते हों लेकिन, वे पंजाब असेंबली में उर्दू से इतर किसी भाषा में नहीं बोलते।

पंजाबी के हक में संघर्षरत लाहौर की पंजाबी प्रचार सभा नाम की संस्था के अध्यक्ष प्रो. तारिक जटाला इस सारी स्थिति के लिए उन्हें जिम्मेदार मानते हैं जो देश के बंटवारे के समय उत्तर प्रदेश या दिल्ली से पाकिस्तान शिफ्ट कर गए थे। वे कहते हैं कि पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री लियाकत अली खान की सलाह पर मोहम्मद अली जिन्ना ने पाकिस्तान की राष्ट्रभाषा उर्दू घोषित करवा दी। उसके चलते ईस्ट पाकिस्तान आगे चलकर बांग्लादेश बना और पंजाब में पंजाबी अछूत होने लगी। लियाकत अली खान खासमखास थे जिन्ना के। वे करनाल के करीब कुंजपुरा के नवाब खानदान से थे। उनकी मुजफ्फरनगर में भी अकूत संपत्ति थी। उन्होंने जिन्ना को समझाया कि पाकिस्तान के लिए उर्दू को राष्ट्रभाषा के रूप में घोषित करना सबसे उपयुक्त रहेगा। उन्होंने शायद यह सलाह इसलिए दी होगी क्योंकि पाकिस्तान के लिए चले आंदोलन में यूपी वाले सबसे आगे थे। यानी पाकिस्तान के छोटे से उर्दू बोलने वाले समूह की जुबान को राष्ट्रभाषा का दर्जा दे दिया गया।

हालांकि, उर्दू पाकिस्तान के किसी भी प्रांत की भाषा नहीं थी। उर्दू को पाकिस्तान की मातृभाषा बनाए जाने के कारण लियाकत अली खान देश के स्थायी रूप से खलनायक बन गए। पंजाब में तो लोग उनसे नफरत करते हैं। पंजाबी के अपमान और अनदेखी से नाराज सैकड़ों पंजाबी भाषी पाकिस्तानी धीरे-धीरे सड़कों पर उतर रहे हैं। जाहिर है, ये अपनी मां बोली के साथ हो रहे अन्याय से दुखी हैं। पर अपने को सच्चा पाकिस्तानी बताने की फिराक में अधिकतर पंजाबी अपनी मातृभाषा को छोड़ रहे हैं।

नई पीढ़ी तो पंजाबी से लगभग किनारा कर चुकी है। पंजाबी के कवि रेहान चौधरी कहते हैं कि हम पंजाबी के हक में इसलिए लड़ रहे हैं, क्योंकि हमारी पंजाबी के रूप में पहचान हमारे पाकिस्तानी और मुस्लिम पहचान से कहीं अधिक पुरानी है। इसलिए हमें पंजाबी के हक में लड़ना है। हालांकि, उन्हें इस बात का अफसोस भी है कि पंजाब में महाराजा रणजीत सिंह के समय से ही पंजाबी को उसका हक नहीं मिला। तब पंजाब की सरकारी भाषा फारसी थी। अंग्रेजों के दौर में फारसी का स्थान उर्दू ने लिया। आजकल जेल में बंद इमरान खान की मातृभाषा भी पंजाबी है। उनकी मां जालंधर से थी। आप लाख कोशिश कर लें पर वे पंजाबी में नहीं बोलेंगे। उन्होंने इस लेखक से 2004 में एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि वे पंजाबी में नहीं बोलते। उन्होंने इस बात को सही कहा था कि उनके देश के हिस्से वाले पंजाब में सारे सरकारी काम उर्दू या अंग्रेजी में ही होते हैं।

भारत के पंजाब में तो पंजाबी को उसका वाजिब हक मिल रहा है। हमारे पंजाब में सरकारी दफ्तरों से लेकर स्कूलों और कॉलेजों में पंजाबी का हर स्तर पर प्रयोग होता है। पर पाकिस्तान के स्कूलों-कालेजों में इसकी पढ़ाई की कोई व्यवस्था नहीं है। पाकिस्तान में इस्लामिक कट्टरपंथी सोच को खाद-पानी देने वाले इस्लाम को उर्दू के साथ जोड़कर बताने लगे। क्या किसी धर्म का किसी भाषा से संबंध हो सकता है? कम से कम इस्लाम और उर्दू का तो कोई सीधा संबंध नहीं है। इस्लाम के धर्मावलंबी सारे संसार में अलग-अलग भाषाएं बोलते-समझते हैं। ईस्ट पाकिस्तान इसलिए ही बांग्लादेश बना था क्योंकि वहां पर उर्दू को थोपा गया था। पंजाब प्रांत के बहुत से कठमुल्ला अवाम को यह समझाने में सफल रहे कि पंजाबी बोलने से उनका इस्लाम खतरे में आ जाएगा। खतरे में इसलिए आ जाएगा क्योंकि पंजाबी को हिन्दू, सिख, ईसाई भी बोलते हैं। यकीन मानिए कि पंजाबी बनाम उर्दू का अगर कोई सौहार्दपूर्ण तरीके से हल नहीं खोजा गया तो पाकिस्तान का सबसे बड़ा सूबा भाषाई विवाद की आग में झुलसेगा।

दाद, खाज और खुजली से राहत देंगे ये उपाय

गर्मियों और बारिश के मौसम में बहुत सारी मुश्किलें उभरती हैं। ये मुश्किलें सामान्य स्तर के अलावा स्वास्थ्य के स्तर पर भी उभरती हैं। त्वचा सम्बन्धी समस्याएं भी इनमें शामिल है। दाद, खाज, खुजली, रैशेज जैसी कई समस्याएं इस मौसम में सामने आ सकती हैं। कई बार त्वचा सम्बन्धी समस्याएं सिर्फ मौसम के बदलने पर शरीर के तापमान के बदलने, हवा में नमी के बढ़ने, ज्यादा पसीना आने, हाइजीन का ध्यान न रखने, किसी प्रकार की एलर्जी के सम्पर्क में आने, किसी रसायन के सम्पर्क में आने आदि से हो सकती हैं। ऐसे में कुछ तरीके अपनाना फायदेमंद हो सकता है। खासकर समस्या की शुरुआत में। त्वचा पर पड़ने वाले मौसम के असर को नियंत्रित करने के लिए कुछ बहुत ही सामान्य उपाय कारगर साबित हो सकते हैं।

धातुओं, ज्वेलरी का प्रयोग न करें

मेटल ज्वेलरी हमेशा ही ट्रेंड में रहता है। महिलाएं इसे अपने फैशन के हिसाब से कैरी करती हैं। अलग अलग ज्वेलरी के रूप में हर उम्र की महिलाएं इसे खूब इस्तेमाल करती हैं। लेकिन ऐसा कई बार होता है कि गले में पहनी चेन, हार या हाथों में पहनी चूड़ियां आदि पसीने और धातु के साथ मिलकर त्वचा सम्बन्धी समस्याओं का कारण बन जाती हैं। खासकर आर्टिफिशियल ज्वेलरी के कारण ऐसा हो सकता है। इसलिए त्वचा पर थोड़ी भी समस्या होते ही इन्हें उतार दें।

सही परिधान का उपयोग

कॉटन के ऐसे वस्त्र जो पसीने को सोखें और हवा को त्वचा तक पहुंचने दें, उनका ही उपयोग करें। सिंथेटिक कपड़े या जरी,लेस वाले कपड़े त्वचा पर रगड़ पैदा करके या पसीने को जमा करके मुश्किल बढ़ा सकते हैं। इसलिए इन कपड़ों से बचें। साथ ही ढीले कपड़े पहनें।

खुजली करने से बचें

यह उपाय मुश्किल हो सकता, विशेषकर जब तक इलाज न मिले। लेकिन संक्रमित जगह पर खुजली न करने से आप संक्रमण या एलर्जी के लक्षणों को बढ़ने से रोक सकते हैं। इसलिए कोशिश करें कि खुजली न करें। ऐसी समस्या नाखूनों में मौजूद मैल और गंदगी के साथ मिलकर और भी गंभीर रूप ले सकती है। सामान्य एलर्जी या अन्य कारण से त्वचा पर उठने वाले दानों, लाली, खुजली आदि में नारियल तेल, कपूर, नीम का तेल आदि राहत दे सकते हैं लेकिन यदि एक बार इन्हें लगाने या सामान्य उपायों से लक्षणों में कमी आती न दिखे तो तुरंत डॉक्टर को जरूर दिखाएं। डॉक्टर आपको दवाइयों, लोशन आदि के साथ उक्त सावधानियों को भी ध्यान में रखने की सलाह देंगे। यदि आप पहले से इनका ध्यान रखेंगे तो समस्या को जल्दी नियंत्रित कर पाएंगे।

कपड़ों और सामान को अलग रखें

जब तक आप त्वचा रोग का इलाज ले रहे हैं तब तक अपने द्वारा प्रयोग में लाई गई हर चीज को अलग रखें और टॉवल-नैपकिन, अंडर गारमेंट्स जैसी चीजों को सबसे अलग धोएं। विशेषकर यदि आपके घर में छोटे बच्चे या बुजुर्ग हैं तो कोशिश करें कि जितना हो सके उनके सीधे संपर्क में आने से बचें। संक्रमण के दौरान बाकी लोगों के सीधे संपर्क में आने या स्वस्थ लोगों द्वारा उपयोग में लाई जा रही चीजों का इस्तेमाल करने से आप उनको भी संक्रमित कर सकते हैं। इसलिए जितना सावधानी और दूरी बनाएं रखेंगे उतना आपके लिए और परिवार के लिए काफी अच्छा होगा।

साबुन या केमिकल का प्रयोग बंद करें

बहुत से लोगों को कपड़े धोने वाले सर्फ या साबुन से भी एलर्जी होती है। जी हां, ये बात सही है। महिलाओं के साथ अक्सर कपड़े धोते समय हाथों का लाल हो जाना, हाथों पर खुजली होना या उसपर दाने होना, ये सभी एलर्जी का संकेत हैं। मगर वह इसे अनेदखा कर देती हैं। इसकी शुरुआत होते ही सबसे पहले साबुन, परफ्यूम, डियोडरेंट, बॉडी वॉश जैसे हर केमिकल युक्त साधन का प्रयोग एकदम बंद कर दें। केमिकल एलर्जी या संक्रमण को ट्रिगर कर सकते हैं।

हंसना मना है

एक ताऊ मरने वाला था, घर वालों ने कहा-अब तो भगवान का नाम ले लो ताऊ बोला-अब क्या नाम लेना, 10 - 15 मिनिट बाद तो आमना-सामना हो ही जाएगा?

लड़का- यार, शादी मे जाना हैं, कैसा कोट पहन के जाऊं, कि सब मुझे ही देखे .! दूसरा लड़का- पेटी'कोट' पहन के चला जा..! पक्का सब तुझे ही देखेंगे!

पति ने पत्नी को वश में करने के लिए एक ताबीज लिया? एक महीने बाद? पति-बाबा, पत्नी पर तो कोई असर नहीं हुआ, पर पड़ोसन वश में आ गई? बाबा-चलो इफेक्ट न सही, साइड इफेक्ट तो हुआ?

एक आदमी की मौत के बाद- उसका दोस्त उसकी पत्नी के पास आया और बोला-क्या मैं उसकी जगह ले सकता हूं? पत्नी- मुझे कोई ऐतराज नहीं है। कब्रिस्तान वालों से पूछ लो।

एक भिखारी रोज-रोज मांग कर खाते - खाते तंग आ गया था। एक दिन उसने भगवान से प्रार्थना की-भगवान, मुझे खाने को ऐसा कुछ दो जो खाने पर भी खत्म न हो! भगवान बोले- ये ले बेटा च्यूइंग गम !

कहानी | परोपकार करने से फर्क तो पड़ता है

दौड़ते-भागते शर्मा जी जैसे ही ऑफिस पहुंचे डायरेक्टर के मुंह लगे चपरासी ने उन्हें बताया - सर ने आपको आते ही मिलने के लिए कहा है। डरते-डरते जैसे ही वे कैबिन में घुसे, डायरेक्टर साहब एकदम से बरस पड़े - शर्मा जी, इससे पहले कि आप एक नई कहानी सुनाएं, मैं अपको स्पष्ट कह देता हूं कि आप आज आराम करिए। छुट्टी का एप्लीकेशन दीजिए और जितनी समाजसेवा करनी है, कीजिए। तंग आ चुका हूं मैं आपकी परोपकार कथा सुन-सुनकर। क्या फर्क पड़ता है आपकी समाजसेवा से? यदि नौकरी करनी है तो ढंग से कीजिए। शर्मा जी डायरेक्टर साहब के आदेशानुसार उस दिन की छुट्टी का एप्लीकेशन देकर ऑफिस से बाहर आकर सोचने लगे - अभी से घर जाकर क्या कर लूंगा। क्यों न हॉस्पीटल जाकर उस बच्चे की हाल-चाल पता कर लूं, जिसे किसी दुर्घटना के कारण सड़क पर पड़े हालत में देखकर अस्पताल पहुंचाने के चक्कर में ऑफिस देर से पहुंचा और साहब की डांट खाई। शायद अब तक उसे होश भी आ गया हो। अनायस ही उनके कदम अस्पताल की ओर चल पडे। जैसे ही वे अस्पताल पहुंचे, डॉक्टर ने उन्हें बताया कि बच्चे को होश आ गया है और उसके मम्मी-पापा भी आ चुके हैं। आइए, आपको मिलवाता हूं उनसे, इनसे मिलिए, शर्मा जी, जिन्होंने आज सुबह आपके बच्चे को यहां एडमिट कराया है। यदि समय पर ये बच्चे को यहां नहीं लाते और अपना ब्लड नहीं दिये होते, तो कुछ भी हो सकता था। सर आप? ये आपका बेटा? सामने डायरेक्टर साहब थे, हाथ जोड़कर खड़े। काटो तो खून नहीं। बोले- शर्मा जी, हो सके तो मुझे माफ कर दीजिएगा। मैंने आपको बहुत गलत समझा पर अब मैं जान चुका हूं कि फर्क तो बहुत पड़ता है आपकी समाजसेवा से। और कहने लगे कि परोपकार के लिए ही वृक्ष फल देते हैं, नदीयां परोपकार के लिए ही बहती हैं और गाय परोपकार के लिए ही दूध देती हैं अर्थात् यह शरीर भी परोपकार के लिए ही है!

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज बहन-भाइयों की मदद मिलेगी। संपत्ति के लेनदेन में सावधानी रखें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा।

वृषभ शुभ कार्यों में संलग्न होने से सुयश एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा। व्यापारिक निर्णय लेने में देर नहीं करें। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी।

मिथुन घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा। संतान के कार्यों पर नजर रखें। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क पूंजी निवेश बढ़ेगा। प्रचार-प्रसार से दूर रहें। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें।

सिंह आज अच्छा धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। बुद्धि एवं मनोबल से सुख-संपन्नता बढ़ेगी। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी।

कन्या आज कार्य में जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। मेहमानों का आवागमन होगा।

तुला प्रयास की मात्रा के अनुसार लाभ की अधिकता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक आज उदर विकार के योग के कारण खान-पान पर संयम रखें। विवादों से दूर रहना चाहिए। आर्थिक प्रगति में रुकावट आ सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

धनु नवीन उपलब्धियों की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें।

मकर आज घर-बाहर पूछ-परख बनी रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। खानपान पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा।

कुम्भ आज नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मीन स्थायी संपत्ति क्रय करने के योग बनेंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

बॉलीवुड | मन की बात

बॉलीवुड-पंजाबी इंडस्ट्री की तुलना पर गुरु बोले- मैं चीजों की तुलना नहीं करता

गायक से अभिनेता बने गुरु रंधावा म्यूजिकल लव स्टोरी फिल्म शाहकोट के साथ पंजाबी में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। फैंस अब तक सिंगर की आवाज के जादू को एंजॉय कर रहे थे। हालांकि, अब गुरु स्क्रीन पर अपने अभिनय का जादू भी बिखेरने को पूरी तरह से तैयार हैं। अब हाल ही में, सिंगर ने बॉलीवुड और पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के बीच तुलना के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मैं बेहतर हूं, और आप तुलना करने वाले लोगों से यह सवाल कर सकते हैं क्योंकि मैं चीजों की तुलना नहीं करता। मुझे लगता है कि तुलना करना खुशी का दुश्मन है। मैं किसी भी चीज की तुलना करने वाला नहीं हूं। गुरु ने अगर मैं बॉलीवुड में काम करता, तो मैं पूरे दिल से करता और मैं आभारी रहूंगा कि मैंने यहां काम किया है, लेकिन मैं बॉलीवुड पर निर्भर नहीं हूं। उन्होंने आगे कहा, पंजाबी फिल्मों के लिए भी यही बात लागू होती है। मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि मैं इसमें काम कर रहा हूं, क्योंकि मैं अपने दर्शकों के लिए कुछ करना चाहता था, कुछ ऐसा जो मेरे आसपास का हो। फिल्म में काम करने को लेकर गुरु ने कहा कि कुछ ऐसा करना था जो मैंने पहले कभी नहीं किया, जैसे कोई फिल्म और कुछ नए विषय, कुछ नए संदेश देते हैं। ये तो वही बात हो गई है ना कि मम्मी अच्छी हैं या डैडी। गुरु ने पंजाबी संगीत में अपनी आवाज से पहचान बनाई है। उन्हें उनके हिट गानों लगदी लाहौर दी, हाई रेटेड गबरू, इशारे तेरे, सूट सूट, डांस मेरी रानी आदि के लिए जाना जाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो गुरु अगली बार म्यूजिकल लव स्टोरी शाहकोट में नजर आएंगे। इस फिल्म में ईशा तलवार, सीमा कौशल और राज बब्बर भी अहम भूमिका में हैं। यह राजीव ढींगरा द्वारा निर्देशित और अनिरुद्ध मोहता द्वारा निर्मित है।

नव्या ने की आलिया की तारीफ

पेरिस फैशन वीक 2024 टॉक ऑफ द टाउन बना हुआ है। हाल ही में इस प्रेस्टिजियस इवेंट में बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन किसी क्वीन की तरह अपना जलवा बिखेरते हुए नजर आई थीं। वहीं इस साल आलिया भट्ट भी पेरिस फैशन वीक 2024 में खूब लाइमलाइट बटोरती हुई नजर आईं। इन सबके बीच अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा अब अपनी मामी ऐश्वर्या को इग्नोर करने के चलते काफी ट्रोल हो रही हैं। बता दें कि ऐश्वर्या राय कई सालों से पेरिस फैशन वीक में अपना जलवा दिखाती आ रही हैं। हर साल लोग पेरिस फैशन वीक से उनके लुक के सामने आने का इंतजार करते हैं। वह एक दिवा हैं और उनकी तस्वीरें इसका सबूत हैं। ऐश्वर्या को पेरिस फैशन वीक 2024 में भी एक खूबसूरत साटन की रेड आउटफिट में देखा गया। उनकी तस्वीरों ने इंटरनेट पर आग लगा दी है और फैंस एक्ट्रेस के लुक को काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं पेरिस फैशन वीक में आलिया भट्ट ने ब्लैक ऑफ-शोल्डर जंपसूट के साथ सिल्वर मैटेलिक बस्टियर पहना था। आलिया इस लुक में बेहद खूबसूरत लग रही थी और हर कोई उनका दीवाना हो गया। वह इस आउटफिट में काफी जंच रही थीं और लोग उनके लुक से अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे थे। आलिया ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें भी शेयर कीं और वह भी किसी क्वीन से कम नहीं लग रही थीं। आलिया की इन तस्वीरों पर फैंस खूब कमेंट कर रहे हैं। वहीं अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नंदा ने भी आलिया की तस्वीरों पर कमेंट करते हुए उनकी तारीफ की थी। वहीं आलिया की तारीफ करना नव्या नंदा को भारी पड़ गया है। दरअसल लोगों ने आलिया की तारीफ करते हुए अपनी मामी ऐश्वर्या राय बच्चन को नजरअंदाज करने के लिए उन्हें ट्रोल किया हैं। एक यूजर ने आलिया की पोस्ट पर नव्या के कमेंट का जवाब देते हुए लिखा, थोड़ा स्पोर्ट अपनी मामी को भी कर लो बहन। एक अन्य यूजर ने जवाब दिया, चाची को तो कर लिया सपोर्ट, अब मामी को भी कर लो।

लोग बोले- थोड़ा मामी को भी सपोर्ट कर लो बहन

घर बसाने की मेरी हमेशा रही है इच्छा: शोभिता

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला जिंदगी के नए अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं। 8 अगस्त को अभिनेता ने शोभिता धुलिपाला के साथ सगाई कर ली है। दोनों ने एक-दूजे को मंगनी की अंगूठी पहनाई। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने बताया है कि शादी कर के घर बसाने की उनकी हमेशा से इच्छा रही है। यही नहीं, अभिनेत्री ने मां बनने पर भी खुलकर बात की है। गैलाटा के साथ हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान, शोभिता धुलिपाला ने बताया कि कैसे वह हमेशा शादी करना चाहती थीं और शादी के बाद बच्चे पैदा करना चाहती थी। उन्होंने खुलासा किया कि वह हमेशा खुद को शादी करने और मां बनने के अहसास को अपनाने की कल्पना करती रहती थीं। शोभिता ने कहा, मैंने हमेशा सोचा था कि मैं हमेशा मां बनने का पूरा अनुभव चाहती हूं। मैं इस बारे में बहुत स्पष्ट थी और शादी करना चाहती थी। मैंने हमेशा खुद को उस सेटिंग में देखा। यह कुछ ऐसा है, जिसके बारे में मैंने कल्पना की थी। शोभिता ने नागा चैतन्य के साथ अपनी सगाई समारोह के बारे में भी बताया, जिसमें सब कुछ सरल और सादगी से हुआ था। अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उनके जीवन के इस खास पल को फैंसी होने की जरूरत नहीं थी। उन्होंने कहा कि यह दिन उनके लिए बिल्कुल सही था और वह संतुष्ट महसूस कर रही थीं। हालांकि, जब से नागा चैतन्य और शोभिता ने सगाई की है, तब से ही इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि उनकी शादी कैसी होगी। हालांकि, दोनों अभिनेताओं के करीबी सूत्रों ने न तो शादी की तारीख और न ही समारोह स्थल का खुलासा किया है, लेकिन कुछ पिछली रिपोर्टों की मानें तो दोनों राजस्थान में डेस्टिनेशन वेडिंग कर सकते हैं। नागा और शोभिता ने 8 अगस्त को हैदराबाद में अपने करीबी परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में सगाई कर ली थी। बाद में, नागार्जुन अक्किनेनी ने जल्द ही शादी करने वाले कपल की पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर की, जिसमें उनकी सगाई की घोषणा की गई और शोभिता का परिवार में स्वागत किया गया था।

बॉलीवुड | मसाला

खिलाड़ी ने फुटबॉल को मारी ऐसी किक, हवा में उड़ता प्लेन क्रैश होकर गिर पड़ा था नीचे

कई बार खेल के दौरान ऐसे हादसे हो जाते हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। ऐसे किस्से जिंदगीभर याद रहते हैं। फुटबॉल और क्रिकेट में भी मैच के दौरान कई बार ऐसी घटनाएं हो जाती हैं, जो जीवनभर के लिए यादगार बन जाते हैं। ऐसा ही कुछ एक फुटबॉल मैच के दौरान हुआ था। दरअसल, एक फुटबॉलर ने बॉल को ऐसी किक मारी कि हवा में उड़ता हुआ प्लेन क्रैश होकर नीचे गिर गया था। दरअसल पराग्वे के एक फुटबॉलर ने 17 साल की उम्र में ये कारनामा फुटबॉल प्रैक्टिस के दौरान किया था। आपने छत के ऊपर से प्लेन को गुजरते कई बार देखा होगा। कई बार प्लेन बहुत नजदीक से गुजरते नजर आते हैं लेकिन फिर भी ये इतनी दूर होते हैं कि प्लेन तक कोई चीज उछालकर वहां तक पहुंचाना बहुत मुश्किल होता है। हालांकि ऐसा कमाल एक फुटबॉलर ने कर 60 साल पहले कर दिखाया था, जब उन्होंने अपने एक शॉट से आसमान में उड़ते प्लेन को नीचे गिरा दिया। इस फुटबॉलर का नाम रॉबर्ट गैब्रिएल ट्राएगो है। अब इनकी उम्र 80 साल है। जब उन्होंने यह कारनामा किया था तो उस वक्त उनकी उम्र 17 साल थी। कुछ लोग बताते हैं कि जब रॉबर्ट प्रैक्टिस मैच खेल रहे थे तो एक ऑफिशियल गेम के दौरान एक छोटा प्लेन लगातार लो लेवल पर उड़ रहा था। प्लेन से परेशान होकर ट्राएगो ने फुटबॉल को इतनी जोर से किक किया कि वो सीधा जाकर प्लेन के इंजन पर लग गया। इसके बाद प्लेन खुले मैदान में क्रैश हो गया। ये घटना मैदान से महज 200 मीटर की दूरी पर हुई। रॉबर्टो ने एक स्पैनिश न्यूज एजेंसी से बात करते हुए बताया था कि प्लेन को मैदान के काफी नजदीक उड़ाने वाला शख्स उनका परिचित था। रॉबर्टो ने पहले भी उसे चेतावनी भी दी थी कि वो ऐसा ना करे, वरना किसी दिन फुटबॉल के ऊंचे शॉट से वे प्लेन को गिरा देंगे। दरअसल, मैच के दौरान वह पायलट उस छोटे प्लेन को जमीन से बहुत नजदीक उड़ाता था। हालांकि किसी को विश्वास नहीं था कि रॉबर्टो फुटबॉल से प्लेन को नीचे गिरा सकते हैं।

अजब-गजब | भारत की इस रेलवे लाइन पर आज भी है अंग्रेजों का कब्जा

हर साल चुकाना पड़ता है करोड़ों रुपये का किराया

भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। जो अमेरिका, चीन और रूस के बाद चौथे नंबर पर आता है। भारतीय रेल से रोजाना लाखों लोग यात्रा करते हैं। हम सब जानते हैं भारत में रेल यातायात की शुरुआत डेढ़ सौ साल पहले अंग्रेजों ने की थी। जब देश आजाद हुआ तो अंग्रेजों द्वारा बिछाई गई रेलवे लाइन भारत की हो गई। लेकिन आज भी हमारे देश में एक ऐसा रेलवे ट्रैक है जो भारत का न होकर अंग्रेजों का है और इसके लिए हर साल भारत को करोड़ों रुपये किराना रॉयल्टी के रूप में चुकाना पड़ता है। दरअसल, महाराष्ट्र में मौजूद शकुंतला रेलवे ट्रैक के लिए हर साल करोड़ों रुपये की रॉयल्टी देनी पड़ती है। बता दें कि शकुंतला रेल ट्रैक महाराष्ट्र के यवतमाल से अचलपुर के बीच लगभग 190 किलोमीटर लंबा ट्रैक है। इस ट्रैक पर शकुंतला पैसेंजर चलती है, जो यहां के स्थानीय लोगों की लाइफ लाइन मानी जाती है। भारत सरकार ने इस रेलवे ट्रैक को कई बार खरीदने की कोशिश की लेकिन आजतक इसमें कामयाबी नहीं मिली। बता दें कि आजादी के बाद जब साल 1952 में भारतीय रेलवे का राष्ट्रीयकरण हुआ, लेकिन देश का एक रेलवे ट्रैक इसमे शामिल नहीं हो पाया। क्योंकि यह रेलवे ट्रैक एक ब्रिटिश कंपनी के मालिकाना अधिकार में

आता है। आज भी इस पर उसी का अधिकार है। इसीलिए ब्रिटेन की क्लिक निक्सन एंड कंपनी की भारतीय इकाई, सेंट्रल प्रोविजंस रेलवे कंपनी को हर साल करोड़ों रुपए की रॉयल्टी देनी पड़ती है। बता दें कि यह ट्रेन पिछले 70 सालों तक भाप के इंजन से चलती रही, लेकिन साल 1994 के बाद इस पर भाप के इंजन को बदलकर डीजल का इंजन कर दिया गया। इसके साथ ही इस ट्रेन की बोगियों की संख्या भी अब बढ़ाकर 7 कर दी गई है। बता दें कि अचलपुर से यवतमाल के बीच कुल 17 स्टेशन पड़ते हैं और यह ट्रेन हर स्टेशन पर रूकती है। करीब 190 किलोमीटर का सफर तय करने में इस ट्रेन को लगभग 6 से 7 घंटे का समय लगता है। हालांकि, कुछ कारणों से यह ट्रेन फिलहाल बंद है। लेकिन टूरिस्ट इस रेलवे ट्रैक को देखने के लिए आज भी अचलपुर से यवतमाल आते हैं।

दूसरे चरण में कम वोटिंग के लिए केंद्र जिम्मेदार : अब्दुल्ला

» बोले- श्रीनगर के लोग नहीं चाहते कोई उनका इस्तेमाल करे

» जम्मू-कश्मीर में दूसरे चरण में 56 फीसदी से अधिक हुआ है मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर में दूसरे फेज के मतदान में कम वोटिंग को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे फेज की वोटिंग के दौरान श्रीनगर जिले में कम मतदान शायद केंद्र शासित प्रदेश में सामान्य स्थिति दिखाने की कोशिश कर रहे केंद्र के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया थी।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता की ये टिप्पणी 25 सितंबर को हुए दूसरे चरण के मतदान के बाद आई, जिसमें 56 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जबकि 18 सितंबर को हुए पहले चरण में अनुमानित 61.38 फीसदी वोटिंग हुई थी। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो, मैं अधिक मतदान की उम्मीद कर रहा था क्योंकि कोई बहिष्कार का आह्वान नहीं था। मतदाताओं को कोई धमकी या भय नहीं था। मुझे लगता है कि इसके लिए केंद्र भी जिम्मेदार है। उन्होंने उच्च मतदान प्रतिशत को सामान्य स्थिति के संकेत के रूप में ऐसे पेश करने की कोशिश की मानो लोगों ने अनुच्छेद 370 के रद्द करने को स्वीकार कर लिया हो।

विदेशी राजनयिकों को आमंत्रित करना गलती

जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम ने कहा कि शायद यह श्रीनगर की प्रतिक्रिया थी क्योंकि श्रीनगर के लोग गलत संकेत नहीं भेजना चाहते हैं। केंद्र ने कश्मीर में मतदान का निरीक्षण करने के लिए विदेशी राजनयिकों को आमंत्रित करके एक और गलती की। शायद वे श्रीनगर में अधिक मतदान को बड़े बदलाव के संकेत के रूप में प्रदर्शित करना चाहते थे। उन्होंने आगे कहा कि श्रीनगर के लोग नहीं चाहते थे कि उनका इस तरह इस्तेमाल किया जाए, इसलिए उन्होंने कम संख्या में वोट किया। हालांकि, मैं उन लोगों का आभारी हूं जो वोट देने आए, चाहे उन्होंने किसी को भी वोट दिया हो।

जहां एनसी नहीं वहां कांग्रेस को करें वोट

उमर अब्दुल्ला अब 1 अक्टूबर को तीसरे चरण के मतदान वाले क्षेत्रों में पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बारामूला, बांदीपोरा और कुपवाड़ा ने पिछले चुनावों में उत्साहपूर्वक मतदान में भाग लिया। मुझे उम्मीद है कि वे इस बार भी ऐसा ही करेंगे। उन्होंने कहा कि जहां भी एनसी ने उम्मीदवार नहीं उतारा है, वहां लोगों को कांग्रेस को वोट देना चाहिए।

लोगों को गुमराह करने के लिए भाजपा झारखंड में पाखंडियों को ला रही : कल्पना

» भाजपा ने सीएम हेमंत के साहस के सामने कर दिया है आत्मसमर्पण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नेता कल्पना सोरेन ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। कल्पना सोरेन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए उस पर विधानसभा चुनाव से पहले लोगों को गुमराह करने के लिए राज्य में 'पाखंडियों' को लाने का आरोप लगाया।

कल्पना सोरेन ने पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में एक रैली को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भाजपा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साहस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। भारी बारिश के बीच रैली में बड़ी संख्या में पहुंची महिलाओं का अभिनंदन करते हुए गांडेय विधायक ने कहा कि 'मैया सम्मान योजना' के तहत मौद्रिक सहायता राशि लाभार्थियों के बैंक खातों में विधिवत जमा कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि चाहे बारिश हो या चक्रवात, बहनों के सम्मान और स्वाभिमान के लिए हमारा प्रयास नहीं रुकेगा। बाद में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कल्पना सोरेन ने कहा कि हेमंत की हिम्मत के आगे भाजपा ने घुटने टेक दिए हैं, यही वजह है कि अलग-अलग राज्यों से पाखंडी लोग झारखंड आ गए हैं और नफरत फैलाने और लोगों को गुमराह करने में लगे हुए हैं। झारखंड में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होना है।

बंगाल में जल्द होगी 12 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती

» सीएम ममता ने कहा- जल्द ही शुरू होगी भर्ती प्रक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि तृणमूल कांग्रेस सरकार जल्द ही राज्य पुलिस के 12,000 रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू करेगी। भर्ती प्रक्रिया कुछ समय से रुकी हुई है, लेकिन अब अधिसूचना संभवत: सोमवार को जारी कर दी जाएगी। बकौल ममता, अगर यह मामला अटका नहीं होता तो सरकार रिक्तियों के लिए भर्ती प्रक्रिया पहले ही पूरी कर सकती थी। उन्होंने कहा कि पुलिस बल में भर्ती होने वाले जवानों को प्रशिक्षण के बाद ड्यूटी पर भी तैनात किया जाएगा।

ऐसा करने से प्रशिक्षण अवधि कम हो जाएगी। पुलिसकर्मियों की भर्ती के अलावा ममता ने स्वास्थ्य मंत्रालय से जुड़ा भी बड़ा फैसला लिया। उन्होंने राज्य संचालित अस्पतालों में सभी रोगी कल्याण समितियों को भंग कर दिया। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों, नर्सों और स्थानीय पार्षदों के प्रतिनिधित्व वाली नई समितियों का नेतृत्व अस्पतालों के प्राचार्य करेंगे। समितियों को भंग करने की घोषणा मुख्यमंत्री ने चिकित्सा संस्थानों में सुरक्षा उपायों की समीक्षा के लिए एमएसवीपी और राजकीय अस्पतालों के प्राचार्यों के साथ बैठक के बाद की। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य भर में स्वास्थ्य कर्मियों की समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए एक मोबाइल एप्लीकेशन तैयार किया जाएगा।

मोदी ताकतवर, पर भगवान नहीं: केजरीवाल

» बोले- भाजपा की मानसिकता ही निगेटिव है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर बरसे। उन्होंने दिल्ली के काम को रोकने का आरोप लगाया। पूर्व सीएम केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा के स्पेशल सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पीए मोदी बहुत ताकतवर हैं, अथाह पैसा है लेकिन मोदी भगवान नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भगवान हैं इस दुनिया में, कोई तो शक्ति है, वो मेरे साथ हैं। मैं सुप्रीम कोर्ट का शुक्रिया अदा करता हूं।

बीजेपी को निशाने पर लेते हुए केजरीवाल ने कहा कि मुझे, सिसोदिया, संजय सिंह, सत्येंद्र जैन, विभव को जेल में डाल दिया। पांच बड़े नेताओं को जेल में डाल दिया, फिर भी हमारी पार्टी एकजुट है। मैं चैलेंज करता हूं कि तुम्हारी पार्टी (बीजेपी) के दो नेताओं को जेल में डाल दो, पार्टी न टूट जाए तो कहना। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कुछ दिनों पहले बीजेपी के एक नेता से बात हुई तो मेरे पूछने पर उन्होंने कहा कि मैंने अपकी सरकार को डीरेल कर दिया। यह सुनकर मैं स्तब्ध रह गया। 27 साल से इनको दिल्ली की जनता वोट नहीं दे रही है। आप दवाईयां और केजरीवाल को बदनाम करके वोट लेना चाहते हो यह गलत है। बीजेपी पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा कि आप की मानसिकता ही निगेटिव है, इन्हें जेल भेज दो, बस से मार्शल हटा दिये, मार्शल की नौकरी कौन करता है। गरीब के बच्चे नौकरी करते है, बुजुर्गों की पेंशन बंद कर दी, तीर्थ यात्रा बंद कर दी।

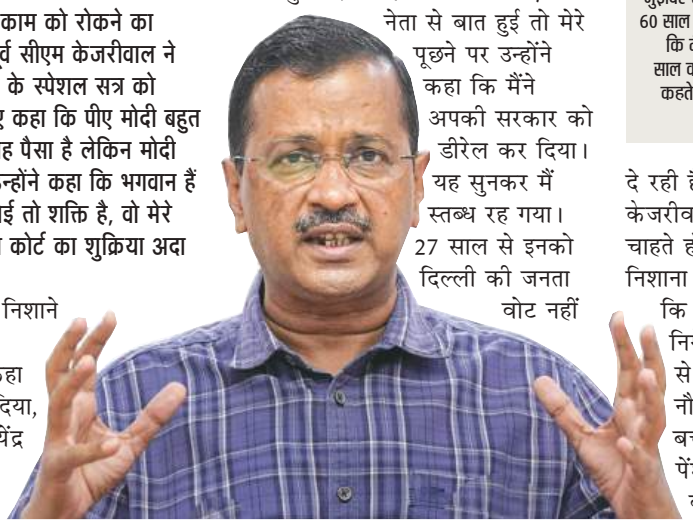

खुद का बनाया 75 साल का नियम नहीं मान रहे मोदी

आप संयोजक ने कहा कि मुझे आरएसएस के एक नेता ने कहा कि आरएसएस ने अल्टीमेटम दिया है कि 75 साल का नियम लागू रहेगा, लेकिन मोदी मान नहीं रहे हैं। जब अपना नंबर आया तो कहते हैं कि ये कानून मुझपर लागू नहीं होगा। कल को अगर कोई अधिकारी 60 साल बाद या सुप्रीम कोर्ट का जज 65 साल बाद कहे कि मैं रिटायर नहीं होऊंगा, तो क्या होगा। खुद 75 साल का नियम बनाया फिर क्यों खुद नहीं मान रहे। कहते थे परिवार नहीं है, फिर पता नहीं किसके लिए लालच है।

विधायक राज प्रसाद उपाध्याय बने पंचायती राज समिति के सदस्य

» बोले- पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करूंगा अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। जिले की जयसिंहपुर सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजप्रसाद उपाध्याय उर्फ राजबाबू को विधानसभा अध्यक्ष की स्वीकृति से पंचायती राज समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। राजप्रसाद उपाध्याय ने 4पीएम न्यूज से बातचीत में कहा कि वह पंचायती राज विभाग को पारदर्शी, मजबूत एवं संगठित करने में अपनी भूमिका का पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी से निर्वहन करेंगे।

साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विधानसभा अध्यक्ष एवं संसदीय कार्यमंत्री का हृदय से आभार प्रकट किया। सदर विधायक ने अपनी इस उपलब्धि के लिए पार्टी के कार्यकर्ताओं व शुभचिन्तकों का भी आभार प्रकट किया। विधायक के पंचायती राज समिति के सदस्य मनोनीत किए जाने से उनके समर्थकों और शुभचिंतकों के बीच खुशी का माहौल है।

प्रगति भारत महोत्सव में होंगे आकर्षण के कई केंद्र

20 अक्टूबर से 4 नवंबर तक कांशीराम स्मृति उपवन में होगा आयोजन

» देश के सभी राज्यों से लगेंगे तमाम तरह के स्टॉल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय द्वारा ओडीओपी विपणन योजना अन्तर्गत प्रगति भारत महोत्सव का आयोजन 20 अक्टूबर से 4 नवंबर तक राजधानी लखनऊ के कांशीराम स्मृति उपवन में आयोजित किया जाएगा। इस महोत्सव में भारत के समस्त राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की कला, संस्कृति, पर्यटन, हस्त शिल्प, देशी उत्पाद, वस्त्र एवं फर्नीचर आदि के तमाम स्टाल आकर्षण का केंद्र होंगे।

संस्था के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने बताया कि प्रगति भारत महोत्सव में केंद्र सरकार के वस्त्र मंत्रालय, हैण्डीक्रॉफ्ट, संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग और नाबार्ड की सहभागिता के साथ प्रदेश सरकार के हस्तशिल्प विपणन प्रोत्साहन योजना भी फलीभूत होगी।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी होगा आयोजन

प्रगति भारत महोत्सव-2024 की सांस्कृतिक संध्या में रोजाना भारत के विभिन्न राज्यों के लोक नृत्य और लोक गायन के कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा कवि सम्मेलन, मुशायरा, जादू, कठपुतली, बिरहा और आल्हा के कार्यक्रम होंगे। महोत्सव में बच्चों और युवाओं के लिए आकर्षक झूलों के साथ घोड़े और ऊंट की सवारी की भी व्यवस्था की गई है। लोगों की सुरक्षा के लिए पूरे महोत्सव परिसर में सीसी टीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

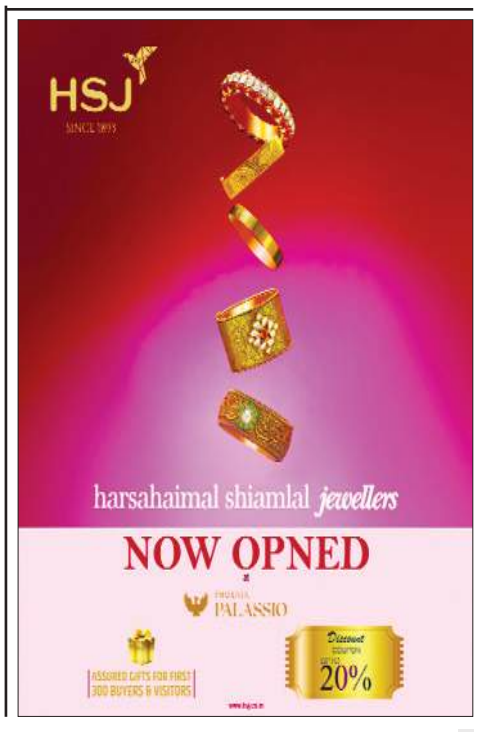

जगन मोहन के क्षमा अनुष्ठान पर सियासी बवाल

वाईएसआरसीपी का दावा- सीएम के इशारे पर पुलिस नेताओं को कर रही नजरबंद, पूर्व मुख्यमंत्री ने 28 सितंबर को अनुष्ठान का किया है आह्वान

» वाईएसआरसीपी ने नायडू सरकार पर पक्षपातपूर्ण व्यवहार का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरावती। तिरुपति मंदिर के प्रसाद में जानवरों की चर्बी मिलने का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। हाल ही में युवाजन श्रमिक रायथु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने एलान किया कि वह 28 सितंबर को पूजा-अर्चना में भाग लेंगे। उनकी इस घोषणा के बाद लगातार सियासी बवाल जारी है। वाईएसआरसीपी का दावा है कि राज्य सरकार के निर्देश पर पुलिस उनकी पार्टी के नेताओं को कार्यक्रम में भाग नहीं लेने की चेतावनी दे रही है।

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने कहा कि मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और मंत्री नारा लोकेश के निर्देशों पर आंध्र प्रदेश पुलिस कार्रवाई कर रही है। जगन मोहन रेड्डी के तिरुपति दौरे से पहले वाईएसआरसीपी नेताओं को नोटिस जारी किया जा रहा है। उन्हें कार्यक्रम में भाग नहीं लेने की चेतावनी दी जा रही। क्षेत्र के कई नेताओं को ये चेतावनी पहले से मिल रही है और कई को पुलिस द्वारा घर में नजरबंद रखा जा रहा है। यह जबरदस्त कार्रवाई राज्य में वाईएसआरसीपी नेताओं के प्रति पक्षपातपूर्ण और भेदभावपूर्ण व्यवहार को दिखाती है तथा राजनीतिक प्रभाव में पुलिस के अत्यधिक कठोर रवैये को दर्शाती है।

जगन मोहन ने मंदिरों में क्षमा अनुष्ठान का किया था आह्वान

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने बुधवार को लोगों से 28 सितंबर को आंध्र प्रदेश के मंदिरों में पूजा-अर्चना में भाग लेने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि तिरुपति के लड्डुओं पर आरोप लगाकर मुख्यमंत्री नायडू ने कथित तौर पर जो पाप किया है, उसके प्रायश्चित के लिए यह क्षमा अनुष्ठान जरूरी है।

मंदिर जाने से पहले जगन को पुलिस दे सकती है नोटिस

वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी की तिरुमाला हिल्स स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर की यात्रा से पहले जिला पुलिस ने आज कई नेताओं और पार्टी कैडर को नोटिस जारी किया कि वे पुलिस अधिनियम की धारा 30 का उल्लंघन न करें। वहीं, एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पुलिस पूर्व मुख्यमंत्री को यहां के निकट रेनिगुंटा हवाई अड्डे पर उतरने के बाद, तिरुमाला जाने से पहले निषेधाज्ञा का उल्लंघन न करने के लिए एक नोटिस भी जारी कर सकती है। बता दें, पुलिस को जिले में कई स्थानों पर वाईएसआरसीपी नेताओं को नोटिस जारी करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, क्योंकि सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर संदेश फैलाए जा रहे हैं, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं से पूर्व मुख्यमंत्री के साथ एकजुटता दिखाने के लिए तिरुपति में कुछ स्थानों पर इकट्ठा होने के लिए कहा जा रहा है।

सोशल मीडिया पोस्ट के बाद सक्रिय हुई पुलिस

अधिकारी का कहना है कि धारा 30 सार्वजनिक सभाओं और जुलूसों को नियंत्रित करती है। इसलिए इसे लागू किया गया है। हमने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई पोस्ट देखी हैं, जिनमें लोगों से तिरुपति में कुछ स्थानों पर इकट्ठा होने के लिए कहा गया है। नोटिस कुछ और नहीं बल्कि उन्हें चेतावनी दे रहे हैं कि वे वहां न आएं और आदेशों की अवहेलना न करें। जगन मोहन रेड्डी को हवाई अड्डे पर निषेधाज्ञा का उल्लंघन न करने के लिए नोटिस भी जारी किया जा सकता है।

धार्मिक स्थलों पर लोग प्रसाद कहकर पी रहे गांजा : अफजाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। सपा सांसद अफजाल अंसारी ने गांजा और भांग को लेकर बड़ा बयान दिया है। सपा सांसद ने कहा कि लोग धार्मिक स्थलों पर प्रसाद कहकर गांजा पीते हैं। मेरी सरकार से मांग है कि इसे कानून का दर्जा दे दिया जाए। उन्होंने कहा कि अपने बाबा मुख्यमंत्री से कहिए, ये नई शराब की दुकानों को बंद कराएं। किस धर्म में कहा गया है कि शराब की दुकानों का विस्तार कीजिए। इसको सरकार बंद करें।

» सपा सांसद ने सरकार से की गांजा को वैध करने की मांग

अफजाल अंसारी ने कहा कि कानून का दर्जा देकर इसे वैध कर दो, लेकिन कानून का इतना बड़ा माखौल मत उड़ाओ। उन्होंने कहा कि मैं कहता हूं कि गांजा को वैध कर देना चाहिए। लाखों-करोड़ों लोग खुलेआम गांजा पीते हैं। बड़े-बड़े धार्मिक आयोजनों में लोग गांजा पीते हैं। उसे भगवान का प्रसाद और भगवान की बूटी कहकर पीते हैं। भगवान की बूटी है, तो अवैध क्यों? ये दोहरी नीति क्यों। अगर गांजा कानूनन अवैध है, तो पीने की छूट क्यों है। ये दोहरी नीति नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि कुंभ में एक मालगाड़ी गांजा चला जाए तो खप जाएगा। साधु, संत, महात्मा और समाज के बहुत लोग गांजा बड़े शौक से पीते हैं। न यकीन हो तो मेरे साथ गाजीपुर के मठों में चलकर देखिए। मेरी मांग है कि इसको कानून का दर्जा दे दीजिए।

सीएम विजयन ने अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को किया खारिज

» बोले- हमारी सरकार और सीपीआई (एम) को बदनाम करने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। वामपंथी निर्दलीय विधायक पीवी अनवर ने सीपीआई(एम), एलडीएफ और केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। अब सीएम विजयन ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे सत्तारूढ़ सरकार को बदनाम करने का प्रयास बताया। तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से बातचीत करते हुए केरल के सीएम ने कहा कि अनवर ने अपनी टिप्पणियों से यह स्पष्ट कर दिया कि वे वाम मोर्चे से दूर रहेंगे।

मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने कहा कि उन्होंने अपनी टिप्पणियों से अपना इरादा साफ कर दिया। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि वे एलडीएफ से दूर रहेंगे और संसदीय पार्टी बैठकों में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने आगे कहा कि वे अनवर द्वारा पार्टी, एलडीएफ और राज्य सरकार पर लगाए गए आरोपों को खारिज करते हैं। विजयन ने कहा कि यह एलडीएफ और राज्य सरकार को बदनाम करने का एक प्रयास है।

विपक्ष की तरह सरकार पर आरोप लगा रहे अनवर

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनवर द्वारा लगाए गए आरोप ठीक वैसे ही हैं, जैसे विपक्ष हमारी सरकार पर आरोप लगाता रहा है। विजयन ने यह स्पष्ट कर दिया कि अनवर की टिप्पणी किसी भी तरह से उनके द्वारा की गई शिकायतों और आरोपों की चल रही जांच और पूछताछ को प्रभावित नहीं करेगी। बता दें कि गुरुवार को अनवर ने विजयन सरकार पर निशाना साधते हुए उनपर जनता का ध्यान भटकाने का आरोप लगाने के साथ विजयन से गृह विभाग का पद छोड़ने की भी मांग की। अनवर ने राज्य में लगभग 180 सोने की तस्करी के मामलों में पुलिस पर पुलिस अवैध रूप से विदेश से सोना लाने वाले वाहकों से कीमती धातु जब्त करते समय उचित प्रक्रिया का पालन नहीं करने का आरोप लगाया है। सीएम पर निशाना साधते हुए अनवर ने उन्हें धोखेबाज कहा था।

हरियाणा में भाजपा अपने दम पर बनाने जा रही सरकार : विज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, सभी पार्टियां अपनी-अपनी जीत का दावा कर रही हैं। इस बीच अंबाला कैंट से बीजेपी उम्मीदवार अनिल विज का कहना है कि हरियाणा में स्थिति बिल्कुल साफ है, बीजेपी हरियाणा में अपने दम पर सरकार बनाने जा रही है।

भाजपा नेता ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब चुनाव शुरू हुए थे, तब इनके (कांग्रेस) हाईकमान ने कहा था कि वे किसी को भी मुख्यमंत्री बना देंगे, लेकिन अब वे हर दिन एक नया नाम पेश करते हैं। क्योंकि वे घबराए हुए हैं। अनिल विज ने कहा कि कुमारी सैलजा केवल वहां प्रचार करने गईं जहां से उनका उम्मीदवार चुनाव लड़ रहा है, लेकिन उन्होंने हिसार में मंच साझा नहीं किया। उनकी लड़ाई जारी है। कुमारी सैलजा के खिलाफ की गई जातिवादी टिप्पणी को कोई बर्दाश्त नहीं करेगा।

सीएम पद का फैसला आलाकमान करता है : सैलजा

वहीं मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारी के बारे में कांग्रेस नेता कुमारी सैलजा का कहना है कि मुख्यमंत्री का फैसला हमेशा आलाकमान करता है। नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक होती है, जिसमें एक लाइन का प्रस्ताव पारित किया जाता है कि मुख्यमंत्री चुनने के लिए आलाकमान अधिकृत है। अंतिम फैसला आलाकमान का होता है। मुख्यमंत्री का फैसला सबको स्वीकार्य होगा।

फोटो : 4 पीएम

आक्रोश लखनऊ में हजरतगंज स्थित डूडा ऑफिस का घेराव करके विरोध प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री लाइट हाउस योजना के लाभार्थियों ने कब्जे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि 2021 में योजना का शुभारंभ प्रधानमंत्री ने ऑनलाइन किया था। 1 साल के अंदर मकान का कब्जा मिलना था मगर अभी तक नहीं मिला।

रियासी आतंकी हमले को लेकर एनआईए की छापेमारी

» दो जिलों के सात ठिकानों पर हो रही रेड

4पीएम न्यूज नेटवर्क

श्रीनगर। रियासी आतंकी हमला मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की छापेमारी रियासी और राजौरी इलाकों में जारी है। एनआईए दो जिलों के सात ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। एनआईए ने 15 जून को केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर मामले की जांच अपने हाथ में ली थी। इससे पहले, हमले में गिरफ्तार एक आरोपी से एनआईए की पूछताछ में प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के पाकिस्तान स्थित आकाओं की भूमिका की ओर इशारा किया गया था।

एनआईए अधिकारियों ने कहा कि बस पर हुए हमले में कम से कम तीन आतंकवादी शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हाकम खान उर्फ हाकिन दीन से पूछताछ में पता चला है कि उसने आतंकवादियों को आश्रय, रसद और भोजन उपलब्ध कराया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।